



दैनिक

# भारत दूत

दिल में छत्तीसगढ़

रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित

डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/68/2022-24

विराजी में दुर्गा...



web- www.bhaskardoot.com

◆ वर्ष-11 ◆ अंक - 264 रायपुर एवं राजनांदगांव से एक साथ प्रकाशित ◆ RNI-CHHHIN/2014/55697 ◆ रायपुर, शुक्रवार 04 अक्टूबर 2024 ◆ पृष्ठ-8 ◆ मूल्य - 02 रुपये

## हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह का दामाद भी मारा गया

इजरायल ने की सीरिया पर एयरस्ट्राइक, Hezbollah की पूरी लीडरशिप को चुनू-चुनकर खत्म कर रही इजरायली सेना

तेल अबीब। इजरायल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह का दामाद हसन जासिर भी मार गिराया है। इजरायली सेना की सीरियाई राजधानी दमिश्क में बुधवार को की गई एयरस्ट्राइक में हिजबुल्लाह के भूतूर्ध चीफ के दामाद को मार गिराने का दावा किया है। इसमें साथ 2 और लोग मारे गए हैं।

बता दें कि इजरायल ने 27 सिंतंबर को राजधानी बेरुत में हिजबुल्लाह के हेडकार्टर पर 80 टन बम से हमला किया था। इसमें हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह की मौत हो गई थी। नसरल्लाह को अलावा उसकी बेटी जैनब की भी इस हमले में मौत हो गई थी।

इजरायल की हमास से जंग अभी भी जारी है और अब उसकी



हिजबुल्लाह से जंग भी गई है। इरान के इजरायल पर मिसाइलें दामाद के बाद दोनों देशों में पहले से चल रहे तनाव और बढ़ गया है। गाजा और आसपास इजरायली कारबाई जारी है और साथ ही लेबानी के बेरूत में भी इजरायली सेना ने अपनी कारबाई तेज़ कर दी है। इजरायली सेना समय-समय पर सीरिया में भी एयरस्ट्राइक करते हुए अपने दुम्हों को मार गिराती है और बुधवार को एक बार पिर इजरायली सेना ने सीरिया में एयरस्ट्राइक को अंजाम दिया। बता दें कि इजरायल ने 2 महीने के

भीतर ही हसन नसरल्लाह समेत हिजबुल्लाह की पूरी लीडरशिप को खत्म कर दिया है। अब हिजबुल्लाह की लीडरशिप में कोई सीनियर नेता नहीं बचा है। इजरायली सेना ने शुक्रवार रात बेरूत में हिजबुल्लाह के मुख्यालय पर मिसाइल हमला कर दिया है। चीफ हसन नसरल्लाह मार गिराया। इस हमले में हसन नसरल्लाह की बेटी जैनब समेत 33 लोगों की मौत हुई। IDF ने अपने

सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, 'अब दुनिया को नसरल्लाह से डाने की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा।' इरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामोंरेह ने इजरायली हाले से पहले हिजबुल्लाह की जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा।

इरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामोंरेह ने इजरायली हाले से पहले हिजबुल्लाह के जरूरत नहीं है। वह आतंक नहीं फैला पाएगा।

बता दें कि प्रधानमंत्री ने एक बार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।

वहाँ इस मामले में पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत 6 आरोपी बरी



पूर्व मंत्री हत्या में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री थे। बृज बिहारी प्रसाद इंजीनियरिंग एडमिशन घोटाले में आरोपी थे। उन्हें पटना के ईंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांसद अस्पताल में शम की सेर के दौरान गोली मार दी गई थी। बृज बिहारी प्रसाद को पत्ती करते हुए आदेश को सुरक्षित रख राम देवी बीजेपी से सांसद हो रही है। उन्होंने और सीबीआई ने आज फैसला सुनाया है। बता दें कि बृज बिहारी प्रसाद बिहार के दिवाज को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में उनकी धार्याकार दाविल की भी थी। और सीबीआई के फैसले को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट की सजा सुनाई ही। उस समय वे बिहार सरकार की सजा सुनाई ही।

## बृजबिहारी हत्याकांडः पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो को उम्रकैद

पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत 6 आरोपी बरी

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अपना फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला और मंदू तिवारी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है।



सद्गुरु ईशा फाउंडेशन को बड़ी राहत

## सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगा दी रोक

नई दिल्ली। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने आधारिक गुरु जग्नी वासुदेव (सुदूर) के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास हाईकोर्ट द्वारा दिए गए जांच के आदेश पर रोक लगा दी। फाउंडेशन ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के आदेश को निर्देश दिया था।



यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फाउंडेशन के खिलाफ दर्ज सभी आपाराधिक मामलों का विवरण देने का निर्देश दिया था।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को प्रत्यक्षीकरण वाचिका पर आधारित था, जिसमें कमराज के आरोपणों के अधार पर हाईकोर्ट ऐसी जांच शुरू नहीं कर सकता।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर

एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने अपनी बेटी को विवाह कर उसे एक सुधी जैवन के देखते हुए मामले के अगे की चर्चा के योग्य बताया। कोर्ट ने इस बात पर भी अंगूष्ठ संदेश दिया है।

यह मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर एस. कमराज की एक बंदी के अनुसार

# स्वच्छता हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा: अरुण साव

भारत दूत

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव आज बिलासपुर के बहतराई इन्डोर स्टेडियम में स्वच्छता ही सेवा पर्खवाड़ा के राज्य स्तरीय समापन समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने कार्यक्रम में बिलासपुर के लिए करोड़ 65 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। श्री साव ने ५% स्वच्छता ही सेवा पर्खवाड़ा के समापन समारोह में स्वच्छता दीदियों के पाव पर्खाकर उक्त समाप्ति किया। उन्होंने प्रदेशभर के नगरीय



निकायों के स्वच्छताग्राहियों, स्वच्छता दीदियों, स्वच्छता बनाने रखने के आद्धन करते हुए। महात्मा गांधी जी की जयंती को स्वच्छता की शपथ लिलाई। स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया विधायक धरम लाल कौशिक, जा रहा है। हमारी सरकार बनने के धर्मजीत सिंह और सुशांत शुक्ला भी बाद बिलासपुर नगर निगम को कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रुपए दिए, गए हैं। हमने मात्र दस

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए। उन्होंने पर्खवाड़ा बाहन को ही जड़ी दिखाकर बताया कि आज महात्मा गांधी और शहरों और नगरीय निकायों को

कहा कि आज महात्मा गांधी और शहरों और नगरीय निकायों के

विकास के लिए दिए हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने संबोध में बताया कि भारत सरकार के समाजिक व्याप और अधिकारियों द्वारा संयुक्त प्रयास से ५%नमस्ते% योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि सीवर और सेटिक टैक की सफाई करने वाले होता है। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि वे साथानी से अपना काम करें। सफाई के दौरान नगर भूमि मूल्य करने के लिए राज्य शहरी विकास अधिकारण योजना को सफल बनाने का लगातार प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान ने अब जन अंदोलन का रूप ले लिया है। स्वच्छता हमारे स्वभाव में रहा है। यह हमारी संस्कृति का अटूट हिस्सा है। छत्तीसगढ़ में कल लाखों बच्चों ने स्वच्छता की अलख जाने की शपथ ली है।

## रायपुर पुलिस का परिवार परामर्श केंद्र बना दूरते परिवारों को जोड़ने वाला केंद्र

भारत दूत

रायपुर। परिवार परामर्श केंद्र में परिवारिक एवं घरेलू मामलों के सम्बन्ध में महात्मा थाना में प्रतिनिधि सेक्यूरिटी अवेदन प्राप्त होते हैं और परिवारिक मामले बहुत ही संवेदनशील होते हैं।

एसएसपी रायपुर डॉ. संतोष सिंह के मार्गदर्शन एवं एसएसपी डूष्ट ममता देवांगन, डीएसपी डूष्ट ललिता मेहर निर्देशन में प्रतिनिधि एसे मामलों की महिला थाना के परिवार परामर्श केंद्र के द्वारा विधिवत काउंसलिंग करायी जाती है। वर्तमान में परिवार परामर्श केंद्र में 22 कॉउंसलिंग अवेदन अपनी सेवाएं दे रहे हैं जिनके प्रयासों से सैकड़ों इन्हें एक्षेक्चर परिवारों को टूटने से बचाया जा रहा है। इस वर्ष माह जनवरी से अगस्त तक महिला थाना रायपुर में कुल 1656 शिकायत लिखित में प्राप्त हुए, प्रकरणनुसार विस्मे 718



शिकायतों में दोगों पक्षों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गई। इसमें ऐच्छिक काउंसलिंगों की भूमिका बहुत ही साहस्रीरी है, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों से है।

महिला थाना में संचालित परिवार परामर्श केंद्र में सफल हुए।

कुछ प्रतीकात्मक प्रकरणों की लेकर पति

रहे हैं।

शिकायतों में दोगों पक्षों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदक विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली। परिवार में आपसी समाजिक रीत विवाद से हुई थी।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवार में आपसी समाजिक रीत विवाद से हुई थी।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवार में आपसी समाजिक रीत विवाद से हुई थी।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।

नववार्ता के दिनों में दोगों को जानकारी निम्न है। 01. आवेदिका सीमा श्रीवास्तव परिवार का विवाद, सफल कॉउंसलिंग कराई गयी। कॉउंसलिंग सफल रहा।

अनावेदिका विवाद का विवाद, सफल हुआ।

अनावेदिका एवं कर दिया गया है।

अनावेदिका की शादी वर्ष 2004 में राहत मिली।

परिवारिक कारणों को लेकर पति

रहे हैं।



## संपादकीय

राजनीतिक दलों के बिंगड़े  
बयान, क्यों? कैसे रुकें?

इधर कुछ दिनों से भारत के राजनीतिक दल एक दूसरे के हाथ काम की समीक्षा करते हुए दूसरे दलों की आलोचना करते हैं। वह ऐसा ही है मानों से अपने पड़ीसी के घर खाने की ताक़-झाक़ करते हैं और कहं कि इन्होंने भिंडी की सज्जी क्यों बनाई? या इन्होंने दाल मसूर की क्यों बनाई? अब यह आपके पड़ीसी के घर का मामला है, आपको इससे क्या लेना! अब आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने पर कांग्रेस और अन्य दल अनेक प्रकार का बयानबाजी करते ही हैं। भाजपा के मानव-सांवाद में आप पार्टी ने दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था। कहन्हान्हा कृष्णराम तो सुनीता के जरीबाल से भी मिला था। विंगत सद्वन्धों को देखते हुए कुछ तो संयम और मर्यादा बरतना चाहिए। भाजपा के प्रवक्ता तो अब जरा जरा सी बात पर सभी गैर भाजपा पार्टी के बिंगड़े हैं। और, अगर भाजपा को दिल्ली ही है तो जनता के पास जायें। पिछले दो चुनाव में कांग्रेस को तो दिल्ली विधानसभा में एक भी सीट नहीं मिली और भाजपा को एक बार मात्र तीन और दूसरी बार छ़ या सात सीटें मिलीं। अलग नियांवक जनता ही है। शायद भाजपा के प्रवक्ता समझते हैं कि सभी विपक्षी पार्टियों के आलोचना करने पर मोदी की खुशी हो जाएंगे। अजल कल संवाद पत्राना नहीं दिखालाई पड़ते। 2019 के लोकसभा चुनाव में वे पुरी (डीडीसी) से हार गये थे। इस बार जीत गये परन्तु इसका बड़ा कारण यह था कि कांग्रेस की महिला प्रत्याशी ने चुनाव के लिए प्रचार किया ही नहीं। उहाने अपना नाम भी वापस नहीं लिया और चुनाव लड़ा भी नहीं। शयद संविधान तीनों जीवों के मुख्यमंत्री बनना चाहते हों या केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह है। अब भाजपा के प्रवक्ता कह रहे हैं कि आतिशी के माता-पिता अफजल गुरु का साथ दे रहे थे। अब अफजल गुरु की फार्सी को मेंब्रवूक मुफ्ती भी गलत बतलाती हैं जिसके साथ भाजपा ने मिलकर खम्मर में सरकार बनाई थी।

इधर रहुल गांधी के भारतीय प्रवक्ता कह रहे हैं जो कलन का खुला उल्लंघन है। परन्तु इस पर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व कुछ नहीं बोल रहा है। स्वयं स्वयं प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि कांग्रेस को भी उनके गणेश पूजन पर भी आपत्ति है। असल में मुद्दा क्या है कि प्रधानमंत्री कहीं जा नहीं सकते। वे देश के सर्वोच्च बोल रहे हैं। उन पर कोई पांचवीं जी नहीं लगा सकता। परन्तु अच्छा होता है कि मुख्य न्यायाधीश के घर न जाकर उसे कहीं और प्रधानमंत्री के मुख्य प्रभु गैर सार्वजनिक अवसरों पर न मिले। सुप्रीम कोर्ट में बहुत से मुकदमे केंद्रीय सरकार के विरुद्ध भी होते हैं।

असल में आज के प्रधानमंत्री और आज के मुख्य न्यायाधीश इन्हें सच्चे और कर्तव्य परायाँ हैं कि उन पर शक करना बहुत गलत है और न्यायाचार के भी विरुद्ध है। किंवदं भी न्याय कहता है कि न्याय होते भी दिखालाई पड़ना चाहिए। यदि यह सिद्धांत मान्य हो तो फिर दोनों का मिलना नहीं होना चाहिए।

परन्तु चाहे पक्ष हो या विपक्ष ऐसी बातों को हवा देना बिल्कुल गलत है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि कांग्रेस प्रधानमंत्री या मुख्य न्यायाधीश इन्हें सच्चे और कर्तव्य परायाँ हैं कि उन पर शक करना बहुत गलत है और न्यायाचार के भी विरुद्ध है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नहीं है कि उनके गणेश पूजन के लिए उनकी अपत्ति हो सकती है।

तिनी विधायिका के स्वतंत्रता का यह मतलब नह

## मध्य पूर्व में तनाव से लाल निशान में खुले शेयर बाजार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में भारी गिरावट के साथ खुले। इसकी वजह मध्य पूर्व में ईरान और इजरायल के बीच तनाव को माना जा रहा है।



सुबह 9:21 पर सेंसेक्स 805 अंक या 0.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83,462 और निफ्टी 254 अंक या 2.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,542 पर था। बाजार में चौरापाल गिरावट देखी जा रही है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 256 शेयर हरे निशान में और 1,188 शेयर लाल निशान में थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 में 28 शेयर लाल निशान में थे। 28 परीक्षण 460 अंक या 0.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,897 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 147 अंक या 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,184 पर था। सबसे अधिक गिरावट ऑटो, मोटोर, एमएंडप्लूम, मार्गित सुजुकी, रिलायंस, नेस्ले, आईआईसीआई बैंक, टाइटन, टीवीसीस, एलएंडटी, एचप्लूम, एफएमसीजी, और एनजी और एमरिकी बाजार एक्सचेंज, टायो, मोटर, एमएंडप्लूम, मार्गित सुजुकी, रिलायंस, नेस्ले, आईआईसीआई बैंक, टाइटन, टीवीसीस, एलएंडटी, एचप्लूम, एफएमसीजी, और बाजार फाइंसेंस टॉप लुक्स थे। केवल जेएसडब्ल्यू

निशान में थे। स्टॉक्सकार्ट के मुताबिक, मध्य पूर्व में ईरान और इजरायल के बीच तनाव और वैश्विक बाजार उच्च-पुथल के कारण भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुले हैं। गुरुवार के अब तक के कारोबार में एशियाई बाजारों में मजबूती देखने को मिलता है। हालांकि, बुधवार को अमेरिकी बाजारों में या माझी बढ़ते देखी गई थी। ऐसे में निवेशकों को सर्कर रहना चाहिए। एशियाई बाजारों में निवेशकों को सर्कर के साथ गिरावट के साथ 100 इंडेक्स 460 अंक या 0.6 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,897 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 147 अंक या 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,184 पर था। सबसे अधिक गिरावट ऑटो, मोटोर, एफएमसीजी, और एनजी और एमरिकी बाजार बुधवार को हो निशान में बदल हुए थे।

## सेंसर बोर्ड में पास हुई रजनीकांत की वेट्रेयन, थलाइवा की एक्शन फिल्म को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

साउथ मेगास्टार रजनीकांत स्टर्यूड्यून का फैंस बेस्बारी से इंतजार कर रहे हैं। इस उत्साह को बनाए रखने के लिए बीते सोमवार को मैकसं ने जहां फिल्म के ट्रेलर रिलीज का एलान किया, वहाँ फिल्म के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी नहीं है। इसके लिए उत्साहने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। लाइक प्रोडक्शन हाउस ने वेट्रेयन से रजनीकांत का नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी नहीं है। फिल्म के सर्टिफिकेशन के बारे में जानकारी नहीं है। लाइक प्रोडक्शन का एलान किया था। मैकसं ने एक्शन के जर्नीकांत के जर्नीकांत के बारे में जानकारी नहीं है। लाइक प्रोडक्शन की शूटिंग चैर्च, हैदराबाद, मुंबई और तिकुनांपुरा सभी भारत भूमि के कई खुबसूरत स्थानों पर की गई है। लाइक प्रोडक्शन का एलान किया था। मैकसं ने वेट्रेयन 10 अक्टूबर के तिकुनांपुरा सभी भारत भूमि के कई खुबसूरत स्थानों पर की गई है। 160 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट के साथ, वेट्रेयन साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक होने के देवत एक्टर आउट हो चुके हैं। वहाँ, अभिनन्य ईश्वरन ने शतक जड़ दिया है। 117 बाल खेल कर 102 रन बनाए हैं। 42.6 ओवर में मौत अवसर की गेंद पर इश्वर के बल्ले का बाहरी बिंगान लेते हुए मैदान कीपर कीपर के दानिंग लाइव तक गई, लेकिन विकेट कीपर मौका मिस कर गए। मुंबई ने बनाए हैं 537 रन



लिए तैयार हो जाइए, वेट्रेयन 10 अक्टूबर को तिकुनांपुरा सभी भारत भूमि के कई खुबसूरत स्थानों पर की गई है। लाइक प्रोडक्शन का एलान किया था। मैकसं ने वेट्रेयन साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक होने के देवत एक्टर आउट हो चुके हैं। वहाँ, अभिनन्य ईश्वरन ने शतक जड़ दिया है। 117 बाल खेल कर 102 रन बनाए हैं। 42.6 ओवर में मौत अवसर की गेंद पर इश्वर के बल्ले का बाहरी बिंगान लेते हुए मैदान कीपर कीपर के दानिंग लाइव तक गई, लेकिन विकेट कीपर मौका मिस कर गए। मुंबई ने बनाए हैं 537 रन

इससे पहले मुंबई ने अपनी पहली पारी में 537 रन बनाए। सरफराज खान ने दोहरा शतक करते हुए LBW आउट हुए।



लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 1 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफीयन मुंबई और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। आज मैच का तीसरा दिन है। रेस्ट ऑफ इंडिया ने दो विकेट पर 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। रेस्ट ऑफ इंडिया का पहला विकेट 40 रन के स्कोर पर गिरा। तब कप्तान निसुराज गायकवाड़ 27 बाल पर 9 रन बनाकर मोहम्मद जुनैद की गेंद पर पृथ्वी शॉ के हाथों कैप हारट हुए। इसके बाद टीम के 127 रन के स्कोर पर साई सुदर्शन 79 बाल पर 32 रन बनाकर तनुष कोटियान की गेंद पर LBW आउट हुए।

## महिला टी20 विश्व कप: वर्यों जीत के बाद भी बढ़ी टीम इंडिया की टेंशन?

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के इरादे से हरमनप्रीत की अगुवाई में टीम इंडिया यूर्एंड में मैदान में भी आच्छी की है और वार्म-अप मैच में पहले वेस्टइंडीज और फिर दक्षिण अफ्रीका को हराया। लेकिन इस खुशी के मौके पर भी टीम थोड़ी पोशांश है, और वजह है फ्लॉप टीप्पणी।

खेलांकि, गेंदबाजों और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज जब्ता थोड़ा थोड़ा जैमिया रोडिंग्स और दीर्घि शर्मा ने कमान संभाली और टीम की जीत दिलाई जरूर लेकिन खिताब जीतने के लिए इनका काफी नहीं होगी थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

भारत की महिला टीम टी20 विश्व कप में अपने अंभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को दुर्बुल में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, गेंदबाजों और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज जब्ता थोड़ा थोड़ा जैमिया रोडिंग्स और दीर्घि शर्मा ने कमान संभाली और टीम की जीत दिलाई जरूर लेकिन खिताब जीतने के लिए इनका काफी नहीं होगी थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया था। मगर, इस वक्त यह टीम हर चुनौती का समान करने के लिए इनका क्षमता खोली देखता है।

देश बढ़ा सकता है। हालांकि, क्रिकेट फैंस को दूरीमें के आगाज का बेस्बारी से इंतजार है, जबकि हरमनप्रीत सेना की नजर विश्व कप पर होगी। ये टीम इस खिताब से पिछली बार बेहद कठीन से चूक रही थी, लेकिन उस वक्त कहीं न कहीं नॉकआउट मुकाबले का द्वितीय टीम इंडिया पर हाथी ही गया





